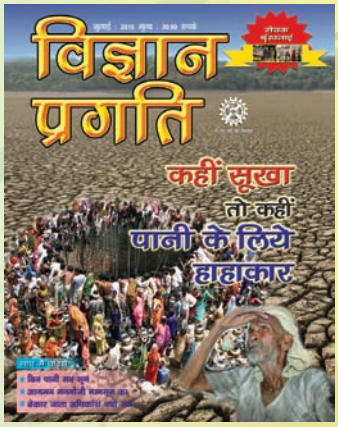

ज्ञानवर्द्धक पत्रिका

विज्ञान प्रगति का जुलाई 2016 का अंक पढ़ा तथा भविष्य में शृंखला के अंतर्गत लेख ''जल बिन कल'' में जल से जुड़ी अनेक जानकारियां प्राप्त हुईं। आज मिनरल वाटर का बाजार तेजी से बढ़ रहा है जिसका कारण जल स्तर का निरंतर बढ़ते जाना है। आज के परिवेश में पूरी तरह सही प्रतीत हो रहा है। वह दिन दूर नहीं जब प्रदेशों की समृद्धि वहां उपलब्ध जल स्रोतों, जल संसाधनों व जल की उपलब्धता के आधार पर निर्धारित की जायेगी और रसोई गैस आदि की तरह प्रति व्यक्ति अथवा प्रति परिवार का आधार बनाकर उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सरकार द्वारा मात्रा का निर्धारण और वितरण प्रणाली भी सुनिश्चित की जा सकती है।

श्री कृष्ण कुमार उपाध्याय, एडवोकेट
संस्थापक अध्यक्ष-रसोई गैस उपभोक्ता कल्याण समिति, कार्यालय-जनपद बार एसोसिएशन बस्ती जनपद-बस्ती 272001 (उ.प्र.)
[मो. : 09839987104 एवं 07275256233]

नवीनतम जानकारी

विज्ञान प्रगति का जुलाई 2016 का अंक, जो ''कहीं सूखा तो कहीं पानी के लिए हाहाकार'' पर केन्द्रित था, मिला। जिस देश में गंगा, यमुना जैसी नदियां हों और जल का अक्षय स्रोत हो वहां जल का ऐसा संकट वास्तव में आश्चर्यजनक है। वर्षा के जल संचय के लिए जितनी जागरूकता और प्रचार प्रसार का कार्य सरकार द्वारा किया जा रहा है यदि उसका 20 प्रतिशत भी जनता ने अनुकरण किया होता तो शायद आज जैसी जल संकट की भयावह स्थिति देश में पैदा न होती। अब भी समय है ''जब जागो-तब सवेरा'' के सत्य को स्वीकार कर देशवासियों को जल संचय के प्रति गम्भीर, जागरूक और जिम्मेदार बनकर अपने उत्तरदायित्वों का ईमानदारी से पालन करना होगा।

डॉ. वी. के. वर्मा
प्रभारी चिकित्साधिकारी
जिला चिकित्सालय, जनपद-बस्ती 272002 (उ.प्र.)
[मो. : 09415163328]

विज्ञान की अग्रणी पत्रिका

विज्ञान प्रगति में प्रकाशित होने वाले सभी लेख इतने ज्ञानवर्धक होते हैं कि किसी एक की प्रशंसा अन्य के प्रति अन्याय होगा। मैं वर्ष 1982 से पत्रिका का नियमित पाठक हूँ और उस समय से अब तक के लगभग सभी अंक मेरे पास सुरक्षित हैं। अस्सी के दशक की अपेक्षा वर्तमान में पत्रिका की विषय वस्तु, प्रस्तुतीकरण, साज सज्जा एवं मुद्रण उच्च कोटि का है। इसके लिए संपादक मंडल व प्रकाशन में लगा हर व्यक्ति बधाई का पात्र है। विज्ञान के दुरूह विषयों को सरल रूप में राष्ट्रभाषा हिन्दी में देना इसकी विशेषता है। जल, पर्यावरण, स्वास्थ्य व कृषि संबंधी लेख इसकी विविधता के सूचक हैं। प्रतियोगियों के लिए क्विज व दिन-प्रतिदिन का वैज्ञानिक इतिहास महत्वपूर्ण जानकारियां देते हैं।

पत्रिका की उत्तरोत्तर प्रगति हेतु शुभकामनायें।

डॉ. राजेंद्र कुमार शुक्ल
जनता कॉलेज, बकेवर
इटावा 206124 (उ.प्र.) [मो. : 09259636777;
ई-मेल : shuklarajendra40@gmail.com]

अतुलनीय पत्रिका

विज्ञान प्रगति का जुलाई 2016 का अंक प्राप्त हुआ। इस अंक में मुझे 'बिन पानी सब सून', 'कैसे होता है आगमन मनमौजी मानसून का', 'बेकार जाता अधिकांश वर्षा जल', 'दिन-प्रतिदिन का वैज्ञानिक इतिहास', दिव्य औषधि युक्त पादप : गिलोय, विज्ञान समाचार, जल पर विज्ञान-क्विज, राकेश शर्मा और प्रज्ञा गौतम जी की विज्ञान कविता अच्छी लगी।

श्री विनोद कुमार तिवारी
कार्यालय-प्रोफेसर्स कॉलोनी
फारबिसगंज जिला-अररिया 854318 (बिहार)
[मो. : 07250890763]

अद्वितीय पत्रिका

मैं विगत कई वर्षों से विज्ञान प्रगति पत्रिका की नियमित पाठिका हूँ तथा अपने स्वजनों, परिजनों को पढ़ने हेतु प्रोत्साहित करती रहती हूँ। विज्ञान प्रगति के प्रत्येक लेख एवं स्तम्भ अद्वितीय एवं ज्ञानवर्धक होते हैं। मुझे मई 2016 के अंक में प्रकाशित आमुख कथा 'सरहद पर मरने वाला हर वीर था भारतीयवासी' बहुत ही मार्मिक एवं संवेदना से ओत-प्रोत लगी। इस लेख ने हमारे दिलों में देशप्रेम, देशसेवा की अविस्मरणीय चेतना जाग्रत की है। जुलाई 2016 के अंक में प्रकाशित 'सीखना होगा जल का कुशल प्रबंधन' जल संरक्षण करने की सीख देता है। वहीं 'जलसंसाधनों पर जलवायु परिवर्तन का कहर' लेख जल के प्रदूषण से होने वाले वैश्विक दुष्प्रभावों से हमें अवगत कराता है। दिव्य औषधि युक्त पादप : गिलोय, विज्ञान क्विज, विज्ञान कविता तथा सवाल-जवाब काफी रोचक लगे।

सुश्री श्रुचि आर्य, सुपुत्री श्री किशोर प्रसाद साह जी छोटीबलहा, मानसी, खगड़िया-20 (बिहार)
[मो. : 09798283388, 08804621096]

विज्ञान प्रगति : अनमोल रत्न

विज्ञान प्रगति का जुलाई 2016 का अंक प्राप्त हुआ। इस अंक में प्रकाशित आमुख कथा 'सूखा एवं खाद्य सुरक्षा', विशेष लेख 'बिन पानी सब सून', प्लास्टिक वेस्ट, जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन का कहर, कपास की फसल पर सफेद मक्खी का कहर तथा विज्ञान समाचार सहित सभी लेखों को पढ़कर महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। मैं विज्ञान प्रगति को बार-बार धन्यवाद देता हूँ कि आज विज्ञान प्रगति का पूरे भारत में झण्डा लहरा रहा है। विज्ञान के क्षेत्र में रुचि रखने वालों के लिए तो विज्ञान प्रगति अनमोल रत्न है। मैं विज्ञान प्रगति की टीम से निवेदन करना चाहूँगा कि अगले अंक में योगासन के बारे में छापें। आज मेरा पूरा गाँव विज्ञान प्रगति का उपासक बना हुआ है।

श्री ठाकुर उपेन्द्र प्रताप सिंह, सुपुत्र श्री अतरपाल सिंह (अध्यापक), गांव-निवाड़ खास, पो.-मानपुर जिला-मुरादाबाद 244001(उ.प्र.)
[मो. : 08954215513;
ई-मेल : upendersingh234@gmail.com]